Conversion of Highways into National Highways in Maharashtra State Export of ii'on ore and mica

1847. SHRI K. N. DHULAP : PROF. N. M. KAMBLE : SHRI DEORAO PATII .

Will the Minister of SHIPPING i AND TRANSPORT be pleased to state:

fa) whether it is a faet that the Maharashtra Government had recommended in 1972 for conversion of some important highways into National Highways in thai State; and

(b) if so. what steps Government have taken in this regard and' what financial allocation has been made for the purpose'.'

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI H. M. TRIVEDI) : (a) Yes. Sir.

(b) No final decision about new additions to be made to the existing National Highway System during the 5th Plan period has yet been taken. It is, therefore. not possible to indicate at this stage which roads would be taken over as new National Highways during this period and what will be the allocations for the purpose.

लोह अयस्क और अभ्रक का निर्यात

1848. **श्री राजनारायण : क्या इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार लोह अयस्क और अभ्रक के निर्यातकों को संगठित करने का प्रयास कर रही है :

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इस संबंध में सरकार को किस सीमा तक सफलता मिली है ?

t[Export of Iron Ore and Mica

1848. SHRI RAJNARAIN : Will the Minister of STEEL AND MINIS be pleased to state:

(a) whether Government are making efforts to organise the exporters of iron ore and mica;

(b) if so, what are the details thereof: and

tc) to what extent Government have achieved success in this regard?]

इस्पात और खान मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सुखदेव प्रसाद) : (क) से (ग) सम्भवतः अभिप्राय इन मदों का निर्यात करने वाले देशों को संगठित करने से है ।

2. जहां तक लोह खनिज का संबंध है, भारत इसका निर्यात करने वाले देशों का एक संगठन बनाने के लिए प्रयत्नशील रहा है । नवम्बर 1974 के आरम्भ में जेनेवा में भारत की अध्यक्षता में लोह खनिज का निर्यात करने वाले देशों की मंत्री स्तर पर एक बैठक हुई थी । इस बैठक में भाग लेने वाले देशों ने यह बात मान ली थी कि आपस में निकट सहयोग की आवश्यकता है और यह इच्छा व्यक्त की गई कि इन देशों द्वारा आरम्भ किए गए कार्य को आगे बढ़ाने के लिए एक स्थायी संस्था बनाई जाए । यह फैसला किया गया कि आरम्भ में बैठक में भाग लेने वाले देशों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति बनाई जाए जो लोह खनिज का निर्यात करने वाले देशों की एक संस्था के गठन के बारे में गहराई से विचार करे और इसकी विस्तृत रूप रेखा तैयार करे, जिस पर मार्च/अप्रैल 1975 में होने वाली मंत्रियों की अगली बैठक में विचार किया जाय ।

3. अभ्रक का निर्यात करने वाले देशों के बारे में ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है ।

i[1 English translation.